समेकित बाल विकास योजना (आई.सी.डी.एस.)

के अन्तर्गत

मुख्य सेविका कार्य प्रशिक्षण

अवधिः 13 मई से 13 जून , 2010

प्रशासनिक प्रतिवेदन

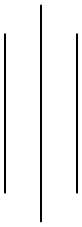

मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ

दूरभाषः 05212– 298292 फैक्सः 05212–298209

Email-sirdup2005@rediffmail.com Website: sirdup.nic.in

मुख्य सेविका कार्य प्रशिक्षण

अवधिः 13 मई से 13 जून , 2010

‖

प्रशासनिक प्रतिवेदन

‖

प्रशिक्षण टीम–

- डॉ0 ओ0पी0 पाण्डेय, संयुक्त निदेशक / समन्वयक आई.सी.डी.एस. प्रशि.
- श्री राकेश सक्सेना, संकाय सदस्य
- डॉ0 विनीता सिंह, संकाय सदस्य
- श्री शिव भगवान, अनुदेशक, एम.एल.टी.सी.
- सुश्री सुमन पाण्डेय, अनुदेशक, एम.एल.टी.सी.
- सुश्री मुद्रिका शर्मा, अनुदेशक, एम.एल.टी.सी.

‖

'महिला एवं बाल कल्याण एवं पोषण संकाय'

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ

विषय वस्तु

1. पृष्ठभूमि
2. प्रशिक्षण उद्देश्य
3. प्रशिक्षण साहित्य की सूची
4. प्रशिक्षण में समाहित नये विषय
5. प्रशिक्षण विधि
6. प्रशिक्षण मूल्यांकन / निष्कर्ष
7. संसाधन व्यक्तियों की सूची
8. प्रतिभागियों की सूची
9. प्रशिक्षण का मूल्यांकन प्रतिभागियों द्वारा
10. समय सारिणी
11. ग्रुप फोटोग्राफ
12. क्षेत्रीय भ्रमण
    - 12.1 प्रथम क्षेत्रीय भ्रमण की सारांश रिपोर्ट
    - 12.2 द्वितीय क्षेत्रीय भ्रमण की सारांश रिपोर्ट
    - 12.3 तृतीय क्षेत्रीय भ्रमण की सारांश रिपोर्ट

मुख्य सेविका कार्य प्रशिक्षण

1 पृष्ठभूमि

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी0के0टी0, लखनऊ पर स्थापित मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र पर वित्तीय वर्षः 2009–10 का अन्तिम प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 13.05.10 से 13.06.10 की अवधि में आयोजित किया गया। इस 'एक मासीय कार्य प्रशिक्षण' कार्यक्रम में जनपद चन्दौली, वाराणसी, संतरविदासनगर, भदोही, आज़मगढ़, सीतापुर एवं सुल्तानपुर की कुल 24 मुख्य सेविकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

2 प्रशिक्षण उद्देश्य

- प्रतिभागियों को समेकित बाल विकास कार्यक्रम के बारे में जानकारी देना।
- प्रतिभागियों को आई0सी0डी0एस0 के तीन मुख्य घटक स्वास्थ्य एवं पोषण, समुदाय सहभागिता एवं शालापूर्व शिक्षा सम्बन्धी तकनीकी जानकारी देना।
- प्रतिभागियों की कार्य कुशलता व क्षमता का विकास करना, जिससे वे सुचारू रूप से अपना कार्य कर सकें।
- प्रतिभागियों को मानीटरिंग एवं सुपरविजन करने की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- क्षेत्रीय भ्रमण द्वारा आई0सी0डी0एस0 के अन्तर्गत दी जाने वाली सेवाओं के क्रियान्वयन हेतु व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।

3 प्रशिक्षण साहित्य की सूची

- बढ़ता बचपन
- बढ़ती बच्ची के लिए पोषण
- प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री हेतु मार्ग निर्देशिका
- बीमार बच्चों को आहार देना
- गर्भावस्था के दौरान देखभाल

4. प्रशिक्षण में समाहित नये विषय

प्रशिक्षण में कुछ नये विषयक भी समाहित किये गये हैं जैसे कि सूचना का अधिकार, आपदा प्रबन्धन, एच0आइ0वी0/एड्स, कार्यालय एवं वित्त प्रबन्धन आदि

5. प्रशिक्षण विधि

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण माड्यूल के अनुसार विभिन्न प्रशिक्षण विधियॉ जैसेः वार्ता, सामूहिक परिचर्चा, सामूहिक अभ्यास, रोलप्ले, सामूहिक प्रस्तुतीकरण, प्रश्नोत्तरी विधि, प्रबन्धन खेल दृश्य–श्रव्य सामग्री द्वारा, सामूहिक खेलकूद, कहानी, चार्ट इत्यादि का प्रयोग किया गया।

32 दिवसीय कार्य प्रशिक्षण में 26 कार्य दिवसों के अन्तर्गत दो दिन आई0सी0डी0एस0 का परिचय, 4 दिन प्रारम्भिक बाल्यावस्था व शालापूर्व शिक्षा, 7 दिन पोषण एवं स्वास्थ्य, 4 दिन संचार एडवोकेसी और सामुदायिक सहभागिता, 3 दिन पर्यवेक्षण,प्रशिक्षण एवं प्रबन्धन, दो दिन आंगनबाड़ी केन्द्रों का प्रबन्धन, 3 दिन पर्यवेक्षण अभ्यास पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा अन्तिम दिन प्रतिपुष्टि एवं समापन हुआ। लेक्चर के माध्यम से सभी विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण को उपयोगी बनाने के लिए प्रतिभागियों की सहभागिता को प्राथमिकता दी गई। प्रत्येक वार्ता के बाद उनसे सामूहिक परिचर्चा एवं अभ्यास कार्य करवाया गया, उनकी आवश्यकतानुसार रोलप्ले भी करवाया गया।

प्रशिक्षण में तीन क्षेत्रीय भ्रमण कराये गये। इसके अन्तर्गत जनपद लखनऊ के बख्शी का तालाब परियोजना के विभिन्न गांवों का भ्रमण कराया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने अपनी रिर्पोट प्रस्तुत की जो निम्नवत है–

पहला भ्रमणः– बख्शी का तालाब, के दो गांव भैंसामऊ तथा सोनवा के आंगनवाड़ी केन्द्र स्थिति तथा केन्द्र पर आये बच्चों की शालापूर्व स्थिति का अध्ययन किया गया।

दूसरा भ्रमणः– बख्शी का तालाब, के तीन गांव गाजीपुर, डींगुरपुर तथा सोनवा में वृद्धि निगरानी तथा नवजात एवं बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन पर कार्य किया गया।

तीसरा भ्रमणः– बख्शी का तालाब के ग्राम कठवारा के समुदाय में आंगनवाड़ी/मुख्य सेविका के रूप में कार्य करना।

6 प्रशिक्षण का मूल्यांकन/निष्कर्ष

प्रशिक्षण की व्याहारिकता एवं उपयोगिता का मूल्यांकन प्रतिभागियों द्वारा मूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से किया गया, जिसके आधार पर सभी वार्ताकारों द्वारा दी गई वार्ता बहुत ज्ञानवर्धक और उपयोगी रही। विशेषतः हाट कुक, सूचना का अधिकार एवं एच.आई.वी./ एड्स जैसे विषय अत्यधिक उपयोगी लगे। इसके साथ विभिन्न भ्रमणों द्वारा व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त उपयोगी रही।

7 संसाधन व्यक्तियों की सूची

1. डॉ0 एल0एम0 जोशी, अपर निदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
2. डॉ0 ओ0 पी0 पाण्डेय, संयुक्त निदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
3. डा0 प्रमोद चन्द्र, उप निदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
4. श्री उमेश चन्द्र जोशी, उप निदेशक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
5. श्री राकेश सक्सेना, शोध सहायक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
6. डा0 विनीता सिंह, शोध सहायक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
7. श्री आर0के0 श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रशिक्षक, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
8. सुश्री पाराधिकारी, मुख्य सेविका, बाल विकास परियोजना बख्शी का तालाब, लखनऊ
9. डा0 धीरज तिवारी, चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बख्शी का तालाब, लखनऊ।
10. सुश्री मिथलेश सिंह, अनुदेशिका, जानकीपुरम्, लखनऊ।
11. श्री शिव भगवान, अनुदेशक, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
12. श्रीमती सुमन पाण्डेय, अनुदेशिका, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।
13. सुश्री मुद्रिका शर्मा, अनुदेशिका, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र, राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बी.के.टी., लखनऊ।

8 प्रतिभागियों की सूची

क्र. सं.	प्रतिभागी नाम सर्व सुश्री	परियोजना एवं जनपद का नाम
1	शान्ती देवी	सदर–चन्दौली
2	चुन्नी देची	सदर–चन्दौली
3	इन्द्रबालाश्री	चकीया–चन्दौली
4	कलावती देवी	बड़ागांव–वाराणसी
5	प्रभावती देवी	बड़ागांव–वाराणसी
6	मालती देवी	सुरयावा–संतरविदासनगर, भदोही
7	कमला कुमारी	डीघ–संतरविदासनगर, भदोही
8	सुशीला देवी	भदोही शहर –संतरविदासनगर, भदोही
9	धनपत्ती देवी	औराई–संतरविदासनगर
10	कमला देवी	डीघ–संतरविदासनगर, भदोही
11	यशोदा देवी	डीघ–संतरविदासनगर, भदोही
12	शान्ती देवी	ज्ञानपुर–संतरविदासनगर, भदोही
13	पद्मजा रानी	तहबरपुर–आज़मगढ
14	आनन्दी वर्मा	कोथल्सा–आज़मगढ़
15	बसन्ती पाण्डे	मुहम्मदपुर–आज़मगढ़
16	निर्मला सिंह	लालगंज–आज़मगढ़
17	कुसुम दुबे	सठियांव–आज़मगढ़
18	मीना देवी	सठियांव–आज़मगढ़
19	रीता भारती	मार्टिनगंज–आज़मगढ़
20	आशा राय	रानी सराय –आज़मगढ़
21	सुशीला देवी	बेहटा–सीतापुर
22	सुशीला	परसेण्डी–सीतापुर
23	दुर्गावती	महमूदाबाद–सीतापुर
24	शकुन्तला देवी	वल्दीराय–सुल्तानपुर

9 प्रशिक्षण का मूल्यांकन प्रतिभागियों द्वारा–त्वरित प्रकिया प्रश्नावली के आधार पर

(क) प्रशिक्षण सामग्री/साहित्य

क्र0 सं0	श्रेणी	प्रतिभागी संख्या
1	अतिउत्तम	10
2	उत्तम	8
3	सामान्य	6
	योगः	24

(ख) प्रशिक्षण कक्ष की व्यवस्था

क्र0 सं0	श्रेणी	प्रतिभागी संख्या
1	अतिउत्तम	13
2	उत्तम	7
3	सामान्य	4
	योगः	24

(ग) प्रशिक्षण विधियॉ

क्र0 सं0	श्रेणी	प्रतिभागी संख्या
1	अतिउत्तम	14
2	उत्तम	7
3	सामान्य	3
	योगः	24

(घ) भोजन एवं आवास

क्र0 सं0	श्रेणी	प्रतिभागी संख्या
1	अतिउत्तम	8
2	उत्तम	9
3	सामान्य	7
	योगः	24

(ड़) क्षेत्रीय भ्रमण

क0 सं0	श्रेणी	प्रतिभागी संख्या
1	अतिउत्तम	15
2	उत्तम	6
3	सामान्य	3
	योगः	24

(ड) वार्ताओं का प्रस्तुतिकरण

क्र0सं0	वार्ता विषय	श्रेणी प्रतिभागी संख्या			
		अतिउत्तम	उत्तम	सामान्य	योग
1	स्वयं सहायता समूह द्वारा महिलाओं का सशक्तीकरण	10	13	1	24
2	कार्यालय प्रबन्धन	14	9	1	24
3	आपदा प्रबन्धन	10	13	1	24
4	सूचना का अधिकार अधिनियम	14	9	1	24
5	मुख्य सेविका के लिए परामर्श कौशल	21	3	—	24
6	एड्स तथा एच0आई0वी0	21	3	—	24
7	हाट कुक	20	4	—	24
8	एम0पी0आर0	20	4	—	24
9	बच्चों में इन्डेमिक रोग तथा अपंगता के कारणों का चिन्हीकरण	14	9	1	24
10	महिला मण्डल	20	4	—	24
11	वृद्धि निगरानी तथा समुदाय सहभागिता	19	5	—	24
12	प्रारम्भिक बाल्यावस्था	24	—	—	24
13	स्वास्थ्य एवं पोषण	24	—	—	24

10 समय सारिणी

11 ग्रुप फोटोग्राफ

12– क्षेत्रीय भ्रमण

12.1. प्रथम भ्रमण

दिनॉक 25.05.2010 को जनपद लखनऊ के बख्शी का तालाबख परियोजना के 2 गांव के आंगनवाड़ी केन्द्रों का भ्रमण किया गया। प्रतिभागियों को 2 समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह ने अलग अलग केन्द्रों पर आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति, तथा प्रारम्भिक बाल देखरेख पर कार्य किया। समूहवार भ्रमण हेतु आवंटित क्षेत्रों का विवरण निम्नवत् है–

समूह–1 भैंसामऊ गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण।

समूह–2 सोनवा गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण।

प्रथम समूह – इस समूह के प्रतिभागियों ने भैंसामऊ गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति, तथा प्रारम्भिक बाल देखरेख कार्य निर्धारित प्रपत्र के द्वारा किया गया।

प्रतिभागियों द्वारा किये गये अध्ययन से निम्न जानकारी प्राप्त हुई है।

(क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति

प्रतिभागियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

1. केन्द्र की स्थिति – आंगनवाड़ी केन्द्र पंचायत भवन में चलता है। केन्द्र साफ–सुथरा था और चार्ट, पोस्टर सुसज्जित ढंग से लगे हुए थे।
2. केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें – पंचायत भवन में हैंण्डपम्प की व्यवस्था है लेकिन रसोई की व्यवस्था नहीं है, जिससे हॉटकुक बरामदें में बनाया जाता है। शौचालय की व्यवस्था नहीं है।
3. केन्द्र पर उपलब्ध सामान – केन्द्र पर विभागीय बर्तन उपलब्ध नहीं है। पठन सामग्री एवं खेल सामग्री उपलब्ध थे परन्तु ग्रोथ चार्ट, वजन मशीन, दवा पेटी उपलब्ध नहीं थे।
4. लक्ष्य समूह का विवरण – आंगनवाड़ी कार्यकत्री की पोलिया अभियान में ड्यूटी लगी होने के कारण लक्ष्य समूह का विवरण प्राप्त नहीं हो सका।
5. अभिलेख की स्थिति – कार्यकत्री पोलियो अभियान में ड्यूटी लगे होने के कारण अभिलेख की स्थिति प्राप्त नहीं हो सकी।
6. पूरक आहार की स्थिति – आई.सी.डी.एस. मीनू के अनुसार दलिया बना था। मार्निग स्नैक्स पंजीरी दी गयी थी। भण्डारण की व्यवस्था सामान्य थी।

ख. प्रारम्भिक बाल देख–रेख तथा शिक्षा के स्तर हेतु मूल्यांकन

प्रतिभागियों द्वारा 03–6 वर्ष की आयु के कुल 12 बच्चों का अध्ययन किया गया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है।

क्रमांक	बच्चें का नाम	आयु वर्ष में	माता का नाम	स्तर
1	विवेक	5 वर्ष 7 माह	मंजू देवी	उत्तम
2	मोनू	4 वर्ष	कुसुमादेवी	उत्तम
3	अंकुल	3 वर्ष 9 माह	सुनीता देवी	सामान्य
4	लाला	5 वर्ष 3 माह	संगीता	उत्तम
5	सुहेल	4 वर्ष 3 माह	सुधा	उत्तम
6	बाल गोविन्द	4 वर्ष 11 माह	सुशीला	अतिउत्तम
7	सुनील कुमार	4 वर्ष 7 माह	बीना	अतिउत्तम
8	विनोद	4 वर्ष 6 माह	मंजुला	अतिउत्तम
9	उर्मिला	5 वर्ष	सुप्यारी	उत्तम
10	अंशिका	4 वर्ष 5 माह	सीमा	सामान्य
11	विकास	5 वर्ष 6 माह	मनोरमा	उत्तम
12	काजल	03 वर्ष 4 माह	सुनीता	उत्तम

निष्कर्ष– प्रतिभागियों ने 3 से 6 वर्ष की आयु के जिन बच्चों का अध्ययन किया था उनमें से 2 सामान्य, 3 अतिउत्तम तथा 7 उत्तम श्रेणी के बच्चे हैं।

द्वितीय समूह – इस समूह के प्रतिभागियों ने सोनवा गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति, तथा प्रारम्भिक बाल देखरेख कार्य निर्धारित प्रपत्र के द्वारा किया गया।

प्रतिभागियों द्वारा किये गये अध्ययन से निम्न जानकारी प्राप्त हुई है।

(क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति

प्रतिभागियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

1. केन्द्र की स्थिति – आंगनवाड़ी केन्द्र स्वास्थ्य विभाग के उपकेन्द्र में चलता है। स्थान साफ सुथरा था बैठने की उचित व्यवस्था थी। कमरा विभिन्न चार्ट पोस्टरों से सुसज्जित था।

2. केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें – आंगनवाड़ी केन्द्र पर पानी एवं शौचालय की उचित व्यवस्था थी। रसोई के लए अलग से कमरा उपलब्ध नहीं था हॉट कुक आंगन में बनाया जाता है।
3. केन्द्र पर उपलब्ध सामान – केन्द्र पर विभागीय बर्तन उपलब्ध नहीं थे बर्तन की व्यवस्था स्वयं कार्यकत्री ने कर रखी थी। दो वजन मशीन, खेल सामग्री, पठन सामग्री, दवा पेटी ग्रोथ चार्ट इत्यादि सभी सामान सही स्थिति में उपलब्ध थे।
4. लक्ष्य समूह का विवरण – प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न रजिस्टर देखे गये, जिससे पता चला कि गांव में 0 से 3 वर्ष तक के कुल 82 बच्चे पंजीकृत थे। 3 से 6 वर्ष तक के कुल 89 बच्चे पंजीकृत थे। किशोरियां कुल संख्या 115 थी जिनमें से तीन पंजीकृत थीं। गांव में कुल 15 गर्भवती तथा 10 धात्री थी, सभी पंजीकृत थी।
5. अभिलेख की स्थिति – केन्द्र पर सभी 18 रजिस्टर पाये गये, मुख्य सेविका द्वारा निरीक्षण किया गया था रजिस्टरों का रख–रखाव बहुत ही अच्छा था।
6. पूरक आहार की स्थिति – हॉट कुक में खिचड़ी खिलायी गयी थी। पोषाहार तथा हॉटकुक का रख–रखाव अच्छा था।

ख. प्रारम्भिक बाल देख–रेख तथा शिक्षा के स्तर हेतु मूल्यांकन

प्रतिभागियों द्वारा 03 से 06 वर्ष तक की आयु के कुल 12 बच्चों का अध्ययन किया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है।

क्रमांक	बच्चें का नाम	आयु वर्ष में	माता का नाम	स्तर
1	प्रज्ञा	3 वर्ष 4 माह	सविता शुक्ला	उत्तम
2	ललित	5 वर्ष 5 माह	लज्जावती	उत्तम
3	गरिमा	3 वर्ष 01 माह	सबिता	अतिउत्तम

4	प्रभाकर	3 वर्ष 4 माह	सबिता शुक्ला	उत्तम
5	पंकज	3 वर्ष 8 माह	सुनीता	उत्तम
6	चांदनी	4 वर्ष 9 माह	आसिमा	उत्तम
7	गीता	5 वर्ष 6 माह	नीलम	उत्तम
8	अजीत	5 वर्ष 4 माह	चुन्नी	अतिउत्तम
9	रूक्सार	5 वर्ष 6 माह	मोसीना	अतिउत्तम
10	राकेश	4 वर्ष 4 माह	मिथलेश	अतिउत्तम
11	आरती	4 वर्ष 1 माह	सुवीरी देवी	अतिउत्तम
12	फिरदोरा	5 वर्ष 6 माह	शबनम	अतिउत्तम

निष्कर्ष– प्रतिभागियों ने 3 से 6 वर्ष की आयु के जिन बच्चों का अध्ययन किया था उनमें से 6 अतिउत्तम तथा 6 उत्तम श्रेणी के बच्चे थे।

12.2 द्वितीय क्षेत्रीय भ्रमण

दिनांक 02.06.10 को जनपद लखनऊ के बख्शी का तालाब की परियोजना के तीन गांव का भ्रमण कराया गया। प्रतिभागियों को तीन समूहो में बांटा गया समूहवार भ्रमण हेतु आवंटित क्षेत्रों का विवरण निम्नवत् है–

समूह1– डींगुरपुर गांव का भ्रमण

समूह 2– गाजीपुर गांव का भ्रमण।

समूह 3– सोनवा गांव का भ्रमण

प्रथम समूह– इस समूह के प्रतिभागियों ने डींगुरपुर गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थिति, नवजात तथा बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन तथा वृद्धि निगरानी का कार्य निर्धारित प्रपत्र पर किया। प्रतिभागियों द्वारा किये गये अध्ययन से निम्न जानकारी प्राप्त हुई है।

(क) आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति

प्रतिभागियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं व अभिलेखों की स्थिति का निरीक्षण किया गया जिसके मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं–

1. केन्द्र की स्थिति – आंगनवाड़ी केन्द्र निजी भवन में चलता है। जगह पर्याप्त थी तथा केन्द्र की स्थिति सामान्य थी।
2. केन्द्र पर उपलब्ध सुविधायें – आंगनवाड़ी केन्द्र पर पानी, शौचालय तथा रसोई की उचित व्यवस्था नहीं थी।
3. केन्द्र पर उपलब्ध सामान – कार्यकत्री द्वारा बताया गया कि केन्द्र पर 6 बर्तन, वजन मशीन, खेल सामग्री, पठन सामग्री उपलब्ध, वजन मशीन है परन्तु केन्द्र नहीं थी।
4. लक्ष्य समूह का विवरण – प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न रजिस्टर देखे गये, जिससे पता चला कि गांव में 0 से 3 वर्ष तक के कुल 80 बच्चे पंजीकृत थे। 3 से 6 वर्ष तक के कुल 74 बच्चे पंजीकृत थे। किशोरियां कुल संख्या 63 थी जिनमें से तीन पंजीकृत थीं। गांव में कुल 10 गर्भवती तथा 14 धात्री थी, सभी पंजीकृत थी।
5. अभिलेख की स्थिति – केन्द्र पर कुल 10 रजिस्टर पूर्ण पाये गये, जिसमें सामग्री, स्टाक, दवा एवं वितरण रजिस्टर, निरीक्षण पंजिका, मात्र समिति पंजिका, टीकाकरण, कैशबुक तथा हॉटकुक रजिस्टर उपलब्ध नहीं थे। मुख्य सेविका द्वारा निरीक्षण किया गया था रजिस्टरों का रख–रखाव सामान्य था।
6. पूरक आहार की स्थिति – केन्द्र पर पोषाहार (पंजीरी) बांटा गया था। हॉटकुक नही बना था। भण्डारण की व्यवस्था सामान्य थी।

ख. नवजात बालपन बीमारियों का समेकित प्रबन्धन (आई.एम.एन.सी.आई)तथा वृद्धि निगरानी

इस समूह के प्रतिभागियों ने 0 से 5 वर्ष तक के कुल 8 बच्चों की स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचनायें आई.एम.एन.सी.आई प्रोफार्मा पर अंकित की साथ में उन बच्चों का वजन लिया तथा माताओं को परामर्श दिया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है–

क्र.	बच्चे का नाम	माता कानाम	उम्र वर्ष/माह	वजन किग्रा. में	पोषण स्तर	स्वास्थ्य स्थिति	टीकाकरण स्थिति	परामर्श
1	जया	सुनीता	3/9	15.00	सामान्य	स्वस्थ	पूर्ण	माता को प्रोत्साहित किया कि आपका बच्चा स्वस्थ है। इसी प्रकार से खान–पान पर ध्यान दें।
2	सुचित	बिन्दु	1/10	10.00	सामान्य	स्वस्थ	पूर्ण	मां की सराहना की कि बच्चे के आहार की मात्रा बढ़ाते रहें तथा इसी प्रकार देख भाल करती रहें
3	मानसी	रूपादेवी	2/8	9.50	कुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	मां को सलाह दी गई कि सफाई पर ध्यान दें तथा बच्चे के खान–पान ध्यान दें और बच्चे का नियमित वजन करायें।
4	सविता	रमादेवी	0/6	7.10	सामान्य	स्वस्थ	पूर्ण	सविता के मां को बताया कि आपका बच्चा स्वस्थ है अब इसे अर्धठोस आहार देना प्रारम्भ कर दें।
5	सुमन	कांति	1/6	6.70	अतिकुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	सुमन की मां को सलाह की डॉ0 के पास ले जायें।
6	विकास	रमादेवी	4/9	10.5	अतिकुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	मां को स्वच्छता के बारे में बताया गया तथा डॉ0 के पास ले जाने की सलाह दी गई।
7	धीरज	फूलकुमारी	1/1	6.50	अतिकुपोषित	कुपोषण	अपूर्ण	फूलकुमारी को स्वच्छता तथा टीकाकरण सम्बन्धी जानकारी दी तथा डॉ0 के पास ले जाने की सलाह दी।
8.	आयुश	सुमन	1/5	10.50	सामान्य	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया कि आपका बच्चा स्वस्थ है तथा इसका वजन नियमित रूप से कराते रहें।

द्वितीय समूह– इस समूह के प्रतिभागियों ने गाजीपुर गांव के बच्चों में आई.एम.एन.सी.आई. तथा वृद्धि निगरानी का कार्य निर्धारित प्रपत्र द्वारा किया। प्रतिभागियों ने 0 से 5 वर्ष तक के कुल 8 बच्चों की स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचनायें आई.एम.एन.सी.आई. प्रोफार्मा पर अंकित की साथ में उन बच्चों का वजन लिया तथा उनकी माताओं का परामश दिया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है–

क्र.	बच्चे का नाम	माता कानाम	उम्र वर्ष/माह	वजन किग्रा. में	पोषण स्तर	स्वास्थ्य स्थिति	टीकाकरण स्थिति	परामर्श
1	सुधांशू	सुनीता	0/6	6.50	सामान्य	जकड़न	पूर्ण	मां को सलाह दी गई कि बच्चे को जकड़न के लिए डॉ0 के पास ले जाये।
2	राखी	गीता	2/0	7.50	अतिकुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	मां को सलाह दी कि डॉ0 के पास ले जाये तथा साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दे।
3	रोली	सुनीता	3/3	10.00	कुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	अस्पताल के लिए संदर्भित किया।
4	हिमान्शू	गीता	3/2	10.00	कुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	डॉ0 के पास ले जाने की सलाह दी गई।
5	कामिनी	विमला	4/0	13.90	सामान्य	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया कि आपका बच्चा स्वस्थ है।
6	नेहा	विमला	2/8	9.30	कुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	खाने – पीने की सलाह दी और साफ–सफाई के लिए बताया वजन से कराती रहे।
7	आशनी	किरन	3/9	11.30	कुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	बच्चे को केन्द्र पर भेंजें तथा घर पर जो भी बनायें उसे खिलायें और खाने की मात्रा धीरे–धीरे बढ़ायें नियमित वजन भी कराती रहें।
8	आनन्द	आशा	3/0	11.30	सामान्य	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया और बच्चे को केन्द्र भेजने की सलाह दी गई।

तृतीय समूह– इस समूह के प्रतिभागियों ने सोनवा गांव के बच्चों में आई.एम.एन.सी.आई. तथा वृद्धि निगरानी का कार्य निर्धारित प्रपत्र द्वारा किया। प्रतिभागियों ने 0 से 5 वर्ष तक के कुल 8 बच्चों की स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचनायें आई.एम.एन.सी.आई. प्रोफार्मा पर अंकित की साथ में उन बच्चों का वजन लिया तथा उनकी माताओं का परामश दिया जिसका विवरण निम्नतालिका में दर्शाया गया है–

क्र.	बच्चे का नाम	माता कानाम	उम्र वर्ष/माह	वजन किग्रा. में	पोषण स्तर	स्वास्थ्य स्थिति	टीकाकरण स्थिति	परामर्श
1	रोहित	वीना	0/10	8.00	सामान्य	स्वस्थ	पूर्ण	मां की प्रंशंसा कि आपका बच्चा स्वस्थ है और इसे पूरक आहार की मात्रा बढ़ाती रहे।
2	पुष्पेन्द्र	सुनीता	2/5	10.50	सामान्य	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया कि आपका बच्चा स्वस्थ है इसकी इसी प्रकार देख भाल करती रहे।
3	रोहित	पार्वती	3/6	11.50	सामान्य	बुखार	पूर्ण	मां को सलाह दी गई कि बच्चे को पैरासीटामाल की दवा दें और यदि ठीक न हो तो डॉ0 के पास ले जायें।
4	दिव्याशू	सोनी	0/5	5.80	कुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	सोनी को बताया गया कि बच्चे का वजन कम है इसे निरन्तर स्तनपान करायें तथा अगले माह से अर्धठोस आहार भी देना प्रारम्भ कर दें।
5	गरिमा	सावित्री	2/10	08.50	अतिकुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	डॉ0 के पास ले जाने की सलाह दी गई।
6	शान्तनी	चांदनी	1/6	7.60	कुपोषित	कुपोषण	पूर्ण	मां को बताया कि आपके बच्चे का वजन कम है तथा खाने–पीने की सलाह दी गयी और समय से वजन से कराती रहे।
7	संदीप	नीलम	1/0	07.00	कुपोषित	दस्त	पूर्ण	ओ.आर.एस. का घोल पिलाने के लिए बताया गया तथा पेय पदार्थ अधिक से अधिक पिलाती रहे यदि स्थिति में सुधार न आये तो डॉ0 के पास ले जायें।
8	दिव्याशू	सुनीता	0/12	03.30	सामान्य	स्वस्थ	पूर्ण	मां को प्रोत्साहित किया गया कि आपका बच्चा स्वस्थ है इसे केवल अपना दूध ही 6 माह तक पिलाये ऊपर से कुछ भी न दे जैसे– पानी, घुटटी आदि ।

12.2 तृतीय क्षेत्रीय भ्रमण

दिनांक 09.06.10 को जनपद लखनऊ के बख्शी का तालाब की परियोजना के कठवारा गांव में स्थित 2 आंगनवाड़ी केन्द्रों का भ्रमण कराया गया। प्रतिभागियों को तीन समूह में विभाजित किया गया दो समूह को केन्द्र संचालन, अभिलेखों का रख–रखाव, हॉटकुक तथा महिला मण्डल विषय आवंटित किये गये। तीसरे समूह को आई.सी.डी.एस. की सेवाओं पर गृह भ्रमण करने के निर्देश दिये गये।

समूह–एक

इस समूह के प्रतिभागियों ने कठवारा गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र तृतीय का अध्ययन किया। केन्द्र की आंगनवाड़ी कार्यकत्री सुश्री मुलेमा देवी एवं सहायिका सुश्री मुन्नी देवी भ्रमण के दौरान केन्द्र पर उपस्थित मिलीं। केन्द्र पर पहुंच कर समूह के प्रत्येक प्रतिभागी को आवंटित विषय के अनुसार कार्य करना प्रारम्भ किया।

1. **केन्द्र का संचालन** – इस विषय पर सुश्री शांति देवी एवं सुश्री कलावती ने कार्य किया। केन्द्र पर आये हुए बच्चों के साथ बात–चीत करके आपना परिचय दिया फिर हर बच्चे को अपना देने के लिए कहा गया। आई.सी.डी.एस. मीनू के अनुसार मार्निग स्नैक्स में बच्चों गुड़ चना एवं लइया दिया गया, उसके बाद खेल खिलाया गया, भाव गीत कराये गये, कहानी सुनाई गयी तथा बच्चों से भी कहानी सुनी गई। उसके बाद बच्चों को प्रतिभागियों द्वारा ही हॉटकुक में अरहर की खिचड़ी का वितरण किया गया।
2. **अभिलेखों का रख रखाव**– इस समूह के दो प्रतिभागियों ने केन्द्र सभी अभिलेखों का निरीक्षण किया। अभिलेख साफ–सुथरे एवं पूर्ण थे। प्रतिभागियों ने उस दिन के कार्य के अनुसार अभिलेखों को पूरा किया। निरीक्षण आख्या में निरीक्षण लिखी दैनिक डायरी में उस दिन के क्रिया कलापों को अंकित किया।
3. **पोषाहार व्यवस्था** – समूह के दो प्रतिभागियों ने आई.सी.डी.एस. मीनू के अनुसार मार्निग स्नैक्स में गुड़, लइया एवं चने का का वितरण किया गया। केन्द्र का संचालन आंगनवाड़ी कार्यकत्री के घर पर ही था मानक के अनुसार खिचड़ी आंगनवाड़ी कार्यकत्री के घर पर बनायी गयी थी। शालापूर्व शिक्षा से सम्बन्धित क्रियाओं के पश्चात् बच्चों को हाथ धुलवायें गये तथा खिचड़ी का वितरण किया।
4. **महिला मण्डल** – समूह के कुछ प्रतिभागियों द्वारा स्तनपान तथा गर्भवती एवं धात्री महिला के खान–पान विषय पर महिला मण्डल की बैठक की गई। बैठक में 15 महिलाओं

ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने कुछ लोकगीत के माध्यम से विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। बैठक में निम्नलिखित सुझाव दिये गये–

- गर्भवती तथा धात्री को अतिरिक्त आहार के बारे में बताया।
- जन्म से 6 माह तक केवल स्तनपान करायें। ऊपर का दूध, पानी, शहद कुछ भी न दें।
- 6 माह के पश्चात बच्चे को अर्धठोस आहार देना प्रारम्भ करें।
- दो वर्ष तक बच्चे को स्तानपान करायें।

बैठक में गांव की सुश्री पप्पी, जानकी, मुन्नी सुनीता, माया, रामा, रेशमी, शोभा, मालती, गुडडी, सपना, छन्नी, रीमा, गुडिया तथा मीना ने भाग लिया। सभी महिलाओं को यह महिला मण्डल की बैठक बहुत ही रोचक एवं लाभकारी लगी।

समूह – दो

इस समूह के प्रतिभागी कठवारा गांव के आंगनवाड़ी केन्द्र द्वितीय का अध्ययन किया। केन्द्र की आंगनवाड़ी कार्यकत्री सुश्री सरला त्रिपाठी एवं सहायिका सुश्री कमला देवी भ्रमण के दौरान केन्द्र पर उपस्थित मिलीं। केन्द्र पर पहुंच कर समूह के प्रत्येक प्रतिभागी को आवंटित विषय के अनुसार कार्य करना प्रारम्भ किया।

1. **केन्द्र का संचालन –** इस विषय पर सुश्री चुन्नी देवी ने कार्य किया। केन्द्र पर आये हुए बच्चों के साथ बात–चीत करके आपना परिचय दिया फिर प्रार्थना करायी। उसके बाद खेल के माध्यम से हर बच्चे का परिचय लिया। भावगीत के माध्यम से अक्षर ज्ञान कराया। कहानी के माध्यम विभिन्न पशु पक्षियों के बारें में जानकारी दी। उसके बाद बच्चों से भी भावगीत, कहानी तथा खेल कराया जो कि बच्चों को बहुत ही अच्छा और आनन्ददायक लगा। केन्द्र टीकाकरण करने के लिए ए.एन.एम. बहनजी आयी हुई थी उनसे बात–चीत की।
2. **अभिलेखों का रख रखाव–** इस समूह के दो प्रतिभागियों ने केन्द्र पर सभी अभिलेखों का निरीक्षण किया। केन्द्र पर कुल 19 रजिस्टर पाये गये जो साफ–सुथरे एवं पूर्ण थे।
3. **पोषाहार व्यवस्था** – समूह के दो प्रतिभागियों ने आई.सी.डी.एस. मीनू के अनुसार मार्निंग स्नैक्स में लइया एवं चने का का वितरण किया गया। केन्द्र का संचालन आंगनवाड़ी कार्यकत्री के घर पर ही था लेकिन हॉटकुक बनाने के लिए रसोई की अलग से व्यवस्था थी। प्रतिभागियों ने स्वयं हॉटकुक तैयार करवाया फिर बच्चों के हाथ धुलवायें गये तथा उसके बाद खिचड़ी का वितरण प्रतिभागियों द्वारा किया गया।

4. **महिला मण्डल –** समूह के कुछ प्रतिभागियों द्वारा स्वच्छता एवं टीकाकरण विषय पर महिला मण्डल की बैठक की गई। सर्व प्रथम प्रतिभागियों ने महिलाओं को एकत्र किया फिर उनसे बात–चीत करके आपस में परिचय लिया और दिया। स्वच्छता के बारे में व्यक्तिगत तथा वातावरण स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया। प्रतिभागी द्वारा बताया गया कि स्वच्छता के अभाव होने के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं, जिससे सभी का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। टीकाकरण दिन होने के कारण ए.एन.एम. बहनजी भी उपस्थित थी इसलिए प्रतिभागियों ने टीकाकरण सम्बन्धी जानकारी के लिए ए.एन.एम. से अनुरोध किया। इस ए.एन.एम. बहनजी ने टीकाकरण पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसके बाद प्रतिभागियों ने ढोलक एवं मजीरे के साथ लोक गीत के माध्यम से टीकाकरण के बारे में बताया। गीत के बोल–

सबसे विनती है हमारी टीका लगवा लो बहना
जब बच्चा गर्भ में होवे दो टीटी लगवाना।
टिटनेस से लेउ बचाय टीका लगवा लो बहना।
सबसे विनती.....।

अंत में महिलाओं को एक गीत के माध्यम से भ्रूण हत्या को रोकने के बारे में बताया। बैठक में गांव की महिलायें एवं किशोरियां दोनों थी जो सर्व सुश्री मुन्नी देवी, लालमुनी, कुबारा देवी, शिखा तिवारी, अंजू देवी, मीना देवी, निर्मला देवी, कलावती देवी, गुलाबी देवी, राजेश्वरी देवी, देवकुमारी, सुमन देवी, माया देवी, सरला देवी, मालती, एवं लल्ली देवी ने भाग लिया। सभी महिलाओं को यह महिला मण्डल की बैठक बहुत ही रोचक एवं लाभकारी लगी।

समूह–तीन

इस समूह के प्रतिभागियों ने कठवारा गांव में गृह भ्रमण के माध्यम से समुदाय में आई.सी. डी.एस. की सेवाओं की स्थिति का अध्ययन किया। प्रतिभागियों ने 8 घरों का भ्रमण किया जो निम्नवत है–

क्रमांक	लाभार्थी	अभिभावक	सेवाओं के बारें में जानकारी	प्रतिभागी द्वारा सुझाव
1	लड़का– 11 माह लड़की–3 वर्ष	पिता–मनोरथ सिंह माता– बिन्दु सिंह	अभिभावक द्वारा बताया गया कि कार्यकत्री बराबर आती है और सेवाओं के बारें जानकारी है।	प्रोत्साहित करते हुए सलाह दी कि बच्ची को शालापूर्व शिक्षा हेतु केन्द्र पर भेजने के लिए कहा गया।
2	गर्भवती–7माह	पूजा	पूजा को सेवाओं की जानकारी है उसके दोनों टीके लगे हुए थे।	प्रतिभागियों ने पूजा गर्भावस्था सम्बन्धी सलाह दी।
3	लड़की–1वर्ष	पिता–सुरेश माता–गीता	अभिभावकों का जानकारी है।	बच्ची को डेढ़ वर्ष लगने वाले टीके के बारे में जानकारी दी। बच्चे का नियमित वजन कराते रहें।
4	लड़का–1वर्ष लड़की– 3 वर्ष लड़का – 5 वर्ष	पिता–रामचन्द्र माता–शैलकुमारी	अभिभावकों द्वारा बताया गया कि दो बच्चे केन्द्र जाते हैं। सभी बच्चों को उम्र के अनुसार टीके लगे हैं।	साफ–सफाई पर ध्यान दें तथा परिवार नियोजन सम्बन्धी जानकारी दी।
5	लडका–4वर्ष	पिता–राम चन्द्र माता– मालती	सेवाओं की जानकारी है परन्तु बच्चे को केन्द्र पर नहीं भेजती हैं।	प्रतिभागियों द्वारा बताया कि बच्चे को केन्द्र पर भेजे तथा इनके 5 बच्चे हैं इसके लिए परिवार नियोजन की सलाह दी गई।
6	लड़की – 5 वर्ष लड़की–7 माह	पिता– होरीलाल माता–विद्यावती	जानकारी थी।	प्रतिभागियों ने छोटी लड़की को अर्धठोस आहार देने को कहा तथा परिवार नियोजन की सलाह दी गई।
7	लड़का – 5 वर्ष	पिता– गुडडू माता–मिथलेश	जानकारी का अभाव	बच्चे को दस्त आ रहे थे प्रतिभागियों ने ओ0आर0एस0 घोल पिलाने को कहा।
8	लड़की –7माह लड़का–2 वर्ष	पिता–राजकरन माता–नीरज	जानकारी थी।	लड़की को अर्धठोस खिलायें तथा परिवार नियोजन की जानकारी दी।

समाप्त्